भारत सरकार
गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 695

दिनांक 29.02.2000 को उत्तर के लिए

राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह

695. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह मनाये जा रहे हैं ;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;
(ग) इस वर्ष के दौरान आयोजित किये जाने वाले प्रस्तावित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है ; और
(घ) क्या हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और अंग्रेजी के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिये कोई योजना बनायी गयी है ?

उत्तर

गृह राज्य मंत्री (श्री आई.डी.स्वामी)

(क) से (ग) तक : राजभाषा हिंदी की स्वर्ण जयंती राजभाषा विभाग के दिनांक 07.06.1999 के पत्र में दिए गए निदेशानुसार भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों/सार्वजनिक उपक्रमों/राष्ट्रीयकृत बैंकों /विदेशों में भारतीय मिशनों आदि द्वारा मनाई जा रही है । स्वर्ण जयंती कार्यक्रमों में, प्राप्त विवरणों के अनुसार कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन, प्रतियोगिताओं का आयोजन, विभागीय पत्रिकाओं के विशेषांकों का प्रकाशन, तकनीकी विषयों पर हिंदी में पुस्तकों का प्रकाशन, मूल कार्य हिंदी में करने के लिए विशेष प्रयास करना आदि सम्मिलित हैं ।

राजभाषा हिंदी की स्वर्ण जयंती का उद्घाटन समारोह दिनांक 14.09.1999 को राजभाषा विभाग द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया । इस अवसर पर कंप्यूटर द्वारा हिंदी सीखने के लिए लीला-हिंदी-प्रबोध सॉफ्टवेयर का प्रमोचन भी महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा किया गया। दिनांक 24.12.1999 को राजभाषा भारती पत्रिका के स्वर्ण जयंती विशेषांक का विमोचन महामहिम उपराष्ट्रपति महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया । दिनांक 24.01.2000 को राजभाषा विभाग की हिंदी की वेबसाइट के उद्घाटन के साथ राजभाषा हिंदी के संबंध में प्रतिष्ठित व्यक्तियों, विचारकों, बुद्धिजीवियों आदि के संदोशों की एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया ।

दिनांक 5-13 फरवरी, 2000 के दौरान दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 14वें विश्व पुस्तक मेले में राजभाषा विभाग ने भाग लिया जिसमें केन्द्र सरकार के कार्यालयों की गृह पत्रिकाओं को दर्शकों के सम्मुख रखा गया ।

(घ) केन्द्रीय सरकार की यह सुविचारित नीति रही है कि प्रेरणा, प्रोत्साहन व सद्भावना द्वारा राजभाषा हिंदी का प्रयोग इसके कार्यालयों में करवाया जाए । तद्नुसार राजभाषा हिंदी में कामकाज की गति बढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :-

(क) केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को हिंदी भाषा, हिंदी आशुलिपि, हिंदी टंकण तथा अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद का प्रशिक्षण देना,

(ख) विभिन्न राजभाषा संबंधी समितियों की बैठकों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का आयोजन करना,

(ग) टी.वी. तथा रेडियो स्पाट्स का निर्माण व प्रसारण कराना,

(घ) राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रकाशनों तथा प्रचार सामग्री का प्रकाशन एवं वितरण कराना,

(ङ) वार्षिक कार्यक्रम का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना,

(च) मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों का निरीक्षण कराना,

(छ) विभिन्न प्रोत्साहन/पुरस्कार योजनाओं का कार्यान्वयन करना, इत्यादि ।